प्रसार पुस्तिका संख्याः- DEE/2021/17

गायों एवं भैसों में गर्मी (Estrus) के लक्षण एवं कृत्रिम गर्भाधन की समय अवधि

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय
BIHAR ANIMAL SCIENCES UNIVERSITY

प्रसार शिक्षा निदेशालय
बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना-14

गायों एवं भैसों में गर्मी (Estrus) के लक्षण एवं कृत्रिम गर्भाधन की समय

अवधि

गायों में आमतौर पर गर्मी की अवधी 10–28 घंटे के बिच रहती है पर Standing Heat (खड़ी गर्मी) की औसत अवधी 15 से 18 घंटे की होती है। पशुओं में कृत्रिम गर्माधान आमतौर पर खड़ी गर्मी की अंतिम अवधि में किया जाना चाहिए। खड़ी गर्मी की अवस्था शुरूआती गर्मी के बाद की अवस्था कहलाती है।

गायों में गर्मी के लक्षण

1. गायों का उत्तेजीत हो जाना।
2. चंचलता, चिल्लाना एवं बेचैनी होना।
3. योनीमूख से पारदर्थी श्लेष्मिक स्त्राव का वाहर आना।
4. योनी मूख पर सूजन होना।
5. योनी मूख का फुलना या सूजन होना।
6. बार–बार मूत्र त्याग होना।
7. योनी में श्लेष्मिक अतिरिक्तता होना।
8. पशुओं द्वारा अन्य पशुओं को सुँधना।
9. पुँछ को उपर उठाना।
10. खाने में कमी होना।
11. पशुओं का आक्रमक होना।
12. शुरूआती गर्मी के दौरान गर्म गाय द्वारा दूसरे गायों पर चढ़ना।
13. अन्य गायों एवं सांडो द्वारा जब चढ़ने की कोशिश करते है तब शांत खड़े हो जाना। पशुओं में इसी विशेष लक्षण को खड़ी गर्मी कहते है गर्म गाय द्वारा दूसरे गायों पर चढ़ना।

योनी मूख पर सूजन

योनीमूख से पारदर्थी श्लेष्मिक स्त्राव

भैसों में गर्मी के लक्षण

1. भैंसे, जब गर्मी में आने वाली होती है तो वह गायों कि तरह दूसरें भैसों पर चढ़ा नहीं करती न ही दूसरे भैसों को चढ़ने देती है।

2. भैसों में गायों की तरह सफेद पारदर्शी श्लेष्मिक स्त्राव प्रचुर मात्रा में नहीं आती है यदि आती भी है तो तुरंत निचे की तरफ गिर जाती है और पशुपालक देख भी नहीं पाता है।

3. भैसों में योनी मुख द्वारा स्त्राव बहुत ही कम होता है।

4. भैसें जब गर्मी में आती है तो उनकी योनीमुख में सूजन हो जाती है तथा योनीमुख के निचे वाला भाग तैलिये हो जाता है।

5. योनी मूख की श्लेष्मिक झिल्की लाल, नम तथा चमकीली हो जाती है।

6. समान्य तौर पर योनी मूख से बहुत ही कम श्लेष्मिक स्त्राव होता है जबकी गायों में समान्य गर्मी का लक्षन होता है।

7. भैसें गर्मी में होने पर गायो की तरह बार–बार पैसाब करती है तथा मुत्र के सूखने के बाद उस जगह पर सफेद निशान बन जाती है।

8. भैंसो में गायों की तरह गर्मी होने पर उनमें बेचैनी तथा भूख की कमी हो जाती है। भैसों के गर्मी में होने पर वह अपने सिर को विशिष्ट फैसन में उठा लेती है।

स्थानीय भैसों (Local Non-descript) गर्मी में होने से गायों की तरह चिल्लाना या रंभाना, बेचैनी, दुग्ध उत्पादन का घट जाना तथा भूख की कमी हो जाती है।

करीब 49: भैंसों में गर्मी (Heat) के समय योनीभूख से स्लेष्मिक स्त्राव होती है तथा भैसें जिस दिन गर्मी मे होती है उस दिन उसके योनी से पतला स्त्राव निकलता और जैसे–जैसे समय निकलता जाता है वैसे–वैसे स्त्राव गाढ़ा एवं स्वच्छ सफेद हो जातीहै।

✪ करीब 60: से 70: भैसे शाम 6 बजे से शुबह के 6 बजे की बीच गर्मी में आती है। पशुपालक को इस समय अवधी का ध्यान रखना होता है। Teaser bull

✪ (Vascctomised) को व्यवहार में लाकर भैंसों में गर्मी की पहचान की ठिक से की जा सकती है। गायों में कृत्रिम गर्भाधान Standing Heat शुरूआत होने के 10–20 घंटे के बाद किया जाना चाहिये, अथवा Estrus गर्मी के लक्षण प्रकट होने के 4 से 12 घंटे के बिच किया जाना चाहिए।

आलेख एवं प्रस्तुतिकरणः- अंकेश कुमार, पंकज कुमार

विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-

निदेशक,प्रसार शिक्षा

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय,पटना-14

Email: deebasupatna@gmail.com (Official), dee-basu-bih@gov.in

Mob.: +91 94306 02962,+91 80847 79374

First Print: 7992457574/ March 2021 Printed Under - SC -PLAN